INTERMEDIATE EXAMINATION – 2023 (ANNUAL)

Sub. Code – 112/212/312/508

Model Set

BHOJPURI (Compulsory)

I.A., I.Sc., I.Com & Voc.

समयः 3 घंटे 15 मिनट | **पूर्णांक–100**

Time : 3 Hrs. 15 Minutes | **Full Marks : 100**

कुल प्रश्नों की संख्या : 100 + 7 = 107 | **कुल पृष्ठों की संख्या – 15**

Total No. of Questions : 100 + 7 =107 | **Total No. of pages - 15**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर–पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 से अधिक प्रश्नों का उत्तर देने पर प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनके सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर–पत्रक में दिये गये सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल

पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर–पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7. खण्ड–ब में कुल 7 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं।

8. किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं। इनमें से कोई एक सही हैं। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के उत्तर देने हेतु अपने द्वारा चुने गये सही विकल्प को OMR उत्तर–पत्रक पर चिह्नित करें।

नीचे दिहल वस्तुनिष्ठ प्रश्नन में से सही उत्तर चुनीं – **50x1=50**

1. ध्वनि के मेल से बनेला –

(A) वर्ण (B) शब्द

(C) वाक्य (D) कवनो ना

2. वर्ण के मेल से बनेला –

(A) अक्षर (B) शब्द

(C) वाक्य (D) कवनो ना

3. शब्द के मेल से बनेला –

(A) वर्ण (B) अक्षर

(C) वाक्य (D) कवनो ना

4. उपसर्ग कवना शब्द में लागेला –

(A) पहिले (B) बाद में

(C) बीच में (D) केहिजो ना

5. प्रत्यय कवना शब्द में लागेगा –

(A) पहिले (B) बाद में

(C) बीच में (D) केहिजो ना

6. ‘सेराय’ में उपसर्ग ह –

(A) से | (B) राय
(C) दूनो | (D) केहू ना

7. ‘साधुअई’ में प्रत्यय ह –

(A) साधु | (B) अई
(C) दूनो | (D) केहू ना

8. ‘गजानन’ में समास ह –

(A) तत्पुरूष | (B) बहुब्रीहि
(C) द्वन्द्व | (D) द्विगु

9. ‘दाल–भात’ में समास ह –

(A) तत्पुरूष | (B) बहुब्रीहि
(C) द्वन्द्व | (D) द्विगु

10. ‘त्रिफला’ में समास ह –

(A) द्वन्द्व | (B) द्विगु
(C) तत्पुरूष | (D) नञ

11. ‘अनंत’ में समास ह –

(A) तत्पुरूष | (B) द्वन्द्व
(C) द्विगु | (D) नञ

12. एह में से स्वर चुनीं –

(A) क | (B) ख
(C) ग | (D) अ

13. एह में से व्यंजन चुनीं –

(A) आ | (B) ई
(C) ओ | (D) ह

14. सार्थक शब्द कहलाला –

(A) जेकर अर्थ–बोध होला | (B) जेकर अर्थ–बोध ना होला
(C) दूनो | (D) केहू ना

15. निरर्थक शब्द कहलाला –

(A) जेकर अर्थ–बोध होला (B) जेकर अर्थ–बोध ना होला

(C) दूनो (D) कवनो ना

16. तत्सम शब्द कहवाँ से आइल ह ?

(A) संस्कृत (B) पालि

(C) प्राकृत (D) अपभ्रंश

17. 'अग्नि' कइसन शब्द ह ?

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

18. 'आग' कइसन शब्द ह ?

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

19. 'गुमसाइन' कइसन शब्द ह ?

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

20. 'ऑफीसर' कइसन शब्द ह ?

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

21. 'दुःशासन' में कवन संधि ह ?

(A) स्वर (B) व्यंजन

(C) विसर्ग (D) तीनू

22. संधि में शब्द के पद के का होला ?

(A) आपस में जुटेला (B) अलग–अलग हटेला

(C) दूनो (D) कवनो ना

23. समास में शब्द के पद के का होला ?

(A) आपस में जुटेला (B) अलग–अलग हटेला

(C) दूनो (D) कवनो ना

24. 'फूल' के पर्यायवाची शब्द ह –

(A) जल (B) तेल

(C) पुष्प (D) कमल

25. 'हवा' के पर्यायवाची शब्द ह –

(A) जल (B) थल

(C) नभ (D) वायु

26. 'आटा' के पर्यायवाची शब्द ह –

(A) पिसान (B) चाउर

(C) दाल (D) सब्जी

27. 'पनपियाँव' के अर्थ होखेला –

(A) जलखई (B) भोजन

(C) शयन (D) चयन

28. संज्ञा के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

29. विशेषण के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

30. क्रिया के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

31. संधि के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

32. लिंग के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

33. काल के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

34. वचन के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

35. पुरूष के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

36. 'पालतू' के उल्टा होखेला –

(A) आकाश (B) पाताल

(C) जंगली (D) फालतू

37. 'अंजोरिया' के उल्टा होखेला –

(A) सूरज (B) गगन

(C) अन्हरिया (D) तरेंगन

38. जवन दू वेद जानेला, कहलाला –

(A) द्विवेदी (B) त्रिवेदी

(C) चतुर्वेदी (D) कवनो ना

39. जवन तीन वेद जानेला, कहलाला –

(A) द्विवेदी (B) त्रिवेदी

(C) चतुर्वेदी (D) कवनो ना

40. जवन चार भेद जानेला, कहलाला –

(A) द्विवेदी (B) त्रिवेदी

(C) चतुर्वेदी (D) कवनो ना

41. एह में जातिवाचक संज्ञा ह –

(A) गाय (B) गंगा

(C) गुच्छा (D) तेल

42. एह में व्यक्तिवाचक संज्ञा ह –

(A) गाय (B) गंगा

(C) गुच्छा (D) तेल

43. एह में समूहवाचक संज्ञा ह –

(A) गाय (B) गंगा

(C) गुच्छा (D) तेल

44. एह में द्रववाचक संज्ञा ह –

(A) गाय (B) गंगा

(C) गुच्छा (D) तेल

45. एह में भाववाचक संज्ञा ह –

(A) गाय (B) गंगा

(C) मिठास (D) तेल

46. 'सीता खा रहली ह' कइसन वाक्य ह ?

(A) सरल (B) मिश्र

(C) संयुक्त (D) कवनो ना

47. 'जब ले साँस, तब ले आस' लोकोक्ति के अर्थ ह –

(A) हताश भइल (B) निराश भइल

(C) अंत समय तक आस (D) हतोत्साह भइल

48. 'गोरकी लइकी खा तिया' में संज्ञा ह –

(A) गोरकी (B) लइकी

(C) खा (D) तिया

49. 'गोरकी लइकी खा तिया' में विशेषण ह –

(A) गोरकी (B) लइकी

(C) खा (D) तिया

50. 'गोरकी लइकी खा तिया' में क्रिया ह –

(A) गोरकी (B) लइकी

(C) खा (D) तिया

51. 'मछरी' कवन विधा के रचना ह ?

(A) कविता (B) कहानी

(C) नाटक (D) उपन्यास

52. 'जोंक' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) एकांकी (D) संस्मरण

53. 'फिरंगिया' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) शब्द चित्र (D) यात्रा–वृतांत

54. 'मानिक मोर हेरइले' के विधा ह –

(A) कविता (B) ललित निबंध

(C) आलोचना (D) शिकार कथा

55. 'पारन' के विधा ह –

(A) भाषण (B) कविता

(C) कहानी (D) संस्मरण

56. 'मछरी' के रचनाकार बानीं –

(A) डॉ0 सत्येन्द्र सुमन (B) रामेश्वर सिंह काश्यप

(C) डॉ0 उदय नारायण तिवारी (D) डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय

57. 'जोंक' के रचनाकार बानीं –

(A) राहुल सांकृत्यायन (B) पांडेय कपिल

(C) महेन्द्र शास्त्री (D) रामनाथ पांडेय

58. 'फिरंगिया' के रचनाकार बानीं –

(A) सूर्यदेव पाठक (B) गंगा प्रसाद अरूण

(C) डॉ0 रामनाथ पाठक (D) मनोरंजन प्रसाद सिन्हा

59. 'मानिक मोर हेरइले' के रचनाकार बानीं –

(A) डॉ0 शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव (B) डॉ0 उषा वर्मा

(C) डॉ0 विद्या निवास मिश्र (D) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह

60. 'पारन' के रचनाकार बानीं –

(A) डॉ0 उदय नारायण तिवारी (B) डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय

(C) डॉ0 विद्या निवास मिश्र (D) डॉ0 सत्येन्द्र सुमन

61. चेखव के कवना पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) पुश्किन (B) नोबेल

(C) भारत रत्न (D) पद्‌मश्री

62. रवीन्द्र नाथ ठाकुर के कवन पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) भारत रत्न (B) पुश्किन

(C) नोबेल (D) पद्‌मश्री

63. डॉ0 शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के कवन पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) भारत रत्न (B) पुश्किन

(C) नोबेल (D) पद्‌मश्री

64. चेखव कहवाँ के रहनिहार रहीं ?

(A) भारत (B) रूस

(C) इंगलैंड (D) फ्रांस

65. डॉ0 ग्रियर्सन कहवाँ के रहनिहार रहीं ?

(A) भारत (B) रूस

(C) इंगलैंड (D) फ्रांस

66. रवीन्द्र नाथ ठाकुर कहवाँ के रहनिहार रहीं ?

(A) भारत (B) रूस

(C) इंगलैंड (D) फ्रांस

67. रवीन्द्र नाथ ठाकुर कवना भासा के लेखक रहीं ?

(A) अंग्रेजी (B) रूसी

(C) बंगला (D) हिन्दी

68. चेखव कवना भासा के लेखक रहीं ?

(A) अंग्रेजी (B) रूसी

(C) बंगला (D) हिन्दी

69. डॉ0 ग्रियर्सन कवना भासा के लेखक रहीं ?

(A) अंग्रेजी (B) रूसी

(C) बंगला (D) हिन्दी

70. 'भोर हो गइल' कवन विधा के रचना ह ?

(A) कहानी (B) कविता

(C) निबंध (D) उपन्यास

71. 'भोर हो गइल' के रचनाकार बानीं –

(A) गंगा प्रसाद अरूण (B) डॉ0 राम नाथ पाठक

(C) सूर्यदेव पाठक (D) पांडेय कपिल

72. 'भोर हो गइल' में कवना समय के बरनन बाटे ?

(A) दिन (B) रात

(C) भोर (D) दूपहर

73. गंगा प्रसाद अरूण लिखले बानीं –

(A) प्रेम के कलश (B) नवगीत

(C) शरद के लहंगा (D) फिरंगिया

74. 'साहेब मोर बसले' क रचनाकार बानीं –

(A) धरनीदास (B) भिनिकराम

(C) कबीरदास (D) हीरा डोम

75. कबीरदास कवना पंथ के संस्थापक रहीं ?

(A) अघोर–पंथ (B) कबीर–पंथ

(C) नानक–पंथ (D) दादू–पंथ

76. कबीरदास कवना काल के कवि रहीं ?

(A) आदिकाल (B) भक्तिकाल

(C) रीतिकाल (D) आधुनिक काल

77. कबीरदास के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो (D) कवनो ना

78. भिनक राम संस्थापक रहीं –

(A) सखी–संप्रदाय (B) लक्ष्मी–संप्रदाय

(C) बौद्ध–संप्रदाय (D) सरभंग–संप्रदाय

79. भिनक राम के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो (D) कवनो ना

80. धरनीदास के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो (D) कवनो ना

81. 'अछूत की शिकायत' के कइले बानीं ?

(A) कबीरदास (B) भिनकराम

(C) हीरा डोम (D) धरनीदास

82. अछूत केकरा खिलाफ शिकायत कइले बाड़न सन ?

(A) दलित–वर्ग के (B) ऊँच–वर्ग के

(C) दूनो के (D) कवनो के ना

83. 'अछूत की शिकायत' कविता पहिल बेर कवन पत्रिका में छपल रहे ?

(A) भोजपुरी (B) सरस्वती

(C) भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका (D) उरेह

84. 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक रहीं –

(A) हजारी प्र0 द्विवेदी (B) महावीर प्र0 द्विवेदी

(C) दूनो (D) कवनो ना

85. दुअरा पर वर आ अंगना में गहना देखे खातिर मँड़राली –

(A) बाराती मरद (B) बाराती मेहरारू

(C) सराती मरद (D) सराती मेहरारू

86. डॉ0 प्रभुनाथ सिंह भोजपुरी में अनुवाद कइले बानीं –

(A) बंगला से (B) रसियन से

(C) अंग्रेजी से (D) हिन्दी से

87. राम बिहारी ओझा 'रमेश' भोजपुरी में अनुवाद कइले बानीं –

(A) बंगला से (B) रसियन से

(C) अंग्रेजी से (D) हिन्दी से

88. 'मछरी' कहानी के नायिका बाड़ी –

(A) कुंती (B) सबीतरी

(C) पवितरी (D) रमेसरी

89. धरनीदास के ग्रंथ बा –

(A) प्रेम–प्रकाश (B) शब्द–प्रकाश

(C) (A) आ (B) (D) कवनो ना

90. डॉ0 काशी प्र0 जायसवाल कवना विषय के विद्वान रहीं ?

(A) प्राच्य विद्या (B) हिन्दी साहित्य

(C) भूगोल (D) इतिहास

91. दाँते कवना देश के महाकवि रहीं ?

(A) जर्मनी (B) इटली

(C) फ्रांस (D) रूस

92. आज केकर सपना पूरा हो गइल बा ?

(A) बापू के (B) अंग्रेजन के

(C) दूनों के (D) केहू के ना

93. 'अँचरा के छाँह' कहानी के नायक बा –

(A) रामलाल (B) श्यामधन

(C) रामधन (D) गोवर्द्धन

94. आम के छोट–छोट फर कहाला –

(A) चिकोरा (B) टिकोरा

(C) छिछोरा (D) जिनोरा

95. आम के छोट–छोट फूल कहाला –

(A) चोकर (B) जोकर

(C) मोजर (D) मोहर

96. आम के छोट–छोट गाछ कहाला –

(A) टिकोला (B) संतोला

(C) अमोला (D) चमोला

97. आम के रस से बनेला –

(A) जमावट (B) अमावट

(C) बँसावट (D) तरावट

98. जोंक केकरा कहल गइल बा ?

(A) भगवान के (B) जमीन्दार के

(C) शैतान के (D) गरीब के

99. फिरंगिया कवन रहन सन ?

(A) रसियन (B) भारतीय

(C) अमेरिकन (D) अंग्रेजन

100. महेन्द्र मिसिर कवना लोकगीत खातिर प्रसिद्ध बानीं ?

(A) झूमर (B) कजरी

(C) पूरबी (D) सोहर

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. कवनो एगो पर निबंध लिखीं – 1X8=8

होली, पुस्तकालय, देश–प्रेम, भारतीय किसान

2. कवनो एगो गद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – 1X4=4

क. लूटे के बुद्धि नइखे, खून चूसे के बुद्धि नइखे, बाकी माटी के सोना हइहे हथवा बनावेला देवान जी।

अथवा

ख. मन करत रहे कि लाज–लिहाज के छोड़ के बाबूजी से अभी जाके कह दीं कि बेटी मछरी ह बाबूजी, पानी के बाहर कब तक जिही ? सड़ी ना त बिलाई ले भागी।

3. कवनो एगो पद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – 1X4=4

क. तोर हीरा हेराइल बा किचड़े में
केहू ढूँढ़ै पूरब केहू ढूढ़ै पच्छिम
केहू ढूँढ़े पानी–पथरे में।

अथवा

ख. खोल द दुआर, भोर हो गइल
किरिन उतर आइल
आ खिड़की के फाँक से, धीरे से झाँक गइल
जइसे कुछ आँक गइल।।

4. कवनो एगो के पत्र–लेखन करीं – 1X5=5

क. परीक्षा के तैयारी वदे बाबूजी लगे पतरी लिखीं।

अथवा

ख. फीस माफ करे खातिर प्राचार्य लगे आवेदन–पत्र लिखीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

5. कवनो पाँच प्रश्नन के उत्तर लिखीं – 5X2=10

क. छठ पर्व के लोकप्रियता बताईं।

ख. कबीरदास के भगति बताईं।

ग. अछूत की शिकायत का–का बा ?

घ. ग्रियर्सन कवना बात में अपना के बिहारी मानस ?

ङ. उत्थान का–का भइल बा ?

च. पूरबी लोकगीत का बारे में लिखीं।

छ. जगदीशपुर काहे खातिर प्रसिद्ध बा ?

ज. 'मानिक मोर हेरइले' में लेखक का कहल चाहत बानीं ?

झ. जोंक केकरा कहल गइल बा आ काहे ?

ञ. आम के महत्त्व का ह ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

6. कवनो तीन प्रश्नन के उत्तर लिखीं – 3X5=15

   क. कवनो कहानी के समीक्षा लिखीं।

   ख. कवनो कविता के भावार्थ लिखीं।

   ग. भोजपुरी के विकास कइसे होखी ?

   घ. 'प्रेम के कलश' में आइल प्रेम–तत्त्व पर प्रकाश डालीं।

   ङ. 'काकी के गहना' के बारे में लिखीं।

   च. सगुन आ निरगुन भगति में अंतर बताईं।

7. कवनो एगो के संक्षेपण करीं – 1X4=4

   क. जे पनही के जान नइखे छोड़त, ऊ मेहरारू भइला पर चहेटि दी, ई नइखे हो सकत। नूँ हूब बा, नूँ हिआब। एजा त भोग के रोग नइखे त भोग के रोग उपटी कइसे ? लाचारी, ब्रह्मचारी मानो भा जवन बुझाव मानी, बाकी नया के नखड़ा सहे के हिआब भोजपुर के लहू में नइखे। एहिजा अबहीं परिवार के सूत सटिआइल बा। अलग नइखे भइल।

   अथवा

   ख. गुदिआ बाँस के सुपली में एक मुट्ठी धूरि धइ के ले आवत बिआ। धुरिए तेल ह। कतना अहगरि के थोरे–थोरे तेल सासुजी के चानी पर जँतात बा, मिलाबल जात बा। कपार दबावल जात बा। केकरा फिकिर बा कि उर्मिलिया के फराक अबहीं टटके धोबाइल ह। उहो कइसे फूलि के बइठल बिआ आ कपार पर धूरि जँतबावत खूब मनगर बिआ। ओकरा आँखि में अइसन चमक आ गइल बा, जइसे सचहूँ ऊ ऊँच सासु–पद पा गइल बिआ। अब का कहल जाए ?